भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1687
बुधवार, 10 दिसंबर, 2025 को उत्तर देने के लिए

'नाविक' नौवहन प्रणाली

1687. श्री बी. के. पार्थसारथीः
श्री बस्तीपति नागराजूः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय नक्षत्र के साथ नेविगेशन (नाविक) नौवहन प्रणाली को अपनाए जाने को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) 'नाविक' आधारित अनुप्रयोगों और सेवाओं का विस्तार करने के लिए विकसित की गई प्रायोगिक परियोजनाओं और उपयोग के मामलों/सेवाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है और उनकी प्रचालन स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों द्वारा विनिर्मित उपकरणों में 'नाविक' क्षमता को अनिवार्य रूप से शामिल करने का अधिदेश दिया है अथवा प्रस्तावित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की देश में 'नाविक' को वाणिज्यिक उपयोग के लिए खोलने की योजना है और यदि हां, तो 'नाविक' तकनीक के वाणिज्यीकरण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या किन्हीं विदेशी सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'नाविक' सेवाओं को अपनाने अथवा सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह):

****

(क) अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) विभिन्न क्षेत्रों में नाविक के उपयोग को व्यापक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में, इसने पायलट परियोजनाओं, भारतीय उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, तकनीकी सहायता, परीक्षण सहायता, उपयोग कार्यक्रम आदि से संबंधित गतिविधियाँ शुरू की हैं। डीओएस ने नाविक को राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय उद्योग मानकों में शामिल करने के प्रयास किए हैं, जिससे उत्पादों और समाधानों में नाविक को प्रभावकारी, सुसंगत और निर्बाध रूप से अपनाया जा सके। वर्तमान में विभिन्न निर्माताओं के 60 से अधिक स्मार्टफोन नाविक को सपोर्ट करते हैं।

..2/-

(ख) नाविक आधारित अनुप्रयोगों का विस्तार करने के लिए विकसित पायलट परियोजनाओं में शामिल हैं: i) वास्तविक समय में ट्रेन अनुवर्तन, जिसमें 10,000 से अधिक ट्रेनें नाविक समर्थित अनुवर्तन उपकरणों से सुसज्जित हैं, ii) मत्स्य नौका का अनुवर्तन, जिसमें 30,000 से अधिक जहाज नाविक समर्थित प्रेषानुकर से सुसज्जित हैं, iii) सार्वजनिक और वाणिज्यिक वाहनों का अनुवर्तन, जिसमें 140 से अधिक डिवाइस मॉडल प्रमाणित हैं और 15 लाख से अधिक वाहनों में लगाए गए हैं, iv) संपूर्ण भारत में एकसमान आईएसटी के प्रसार के लिए नाविक समय स्थानांतरण अभिग्राहियों के साथ द्वितीयक समय-मापक्रमों की स्थापना।

(ग) सरकार ने अभी तक नाविक को अनिवार्य नहीं किया है। इस संभावना पर विचार-विमर्श जारी है।

(घ) नाविक नागरिक संकेत सभी के लिए खुले हैं और किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा नाविक कवरेज में उनकी स्थिति, नौवहन और कालन (पीएनटी) संबंधी अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

(ङ) अंतरराष्ट्रीय जीएनएसएस सेवा प्रदाता नियमित रूप से नाविक के साथ अंतर-प्रचालनीयता और संकेत समन्वय के लिए बातचीत और सहयोग करते हैं।

****